महाविद्यालय समाचार दर्शन

अंक- २७ अक्टूबर से दिसम्बर २०१९

पाठ्येत्तर गतिविधियाँ एवं विद्यार्थी व्यक्तित्व उन्नयन

प्रमुख सुर्खियाँ

- ♣ गोबर गैस उत्पादन प्रारंभ
- ♣ खेलकूद प्रतियोगिता
- ♣ गॉधी जी की 150 वी जयंती पर कार्यक्रम
- ♣ अंतराष्ट्रीय बालिका दिवस
- ♣ मिनी मैराथन का आयोजन
- ♣ मशरूम उत्पादन
- ♣ मधुमक्खी प्रशिक्षण
- ♣ जिला स्तरीय युवा उत्सव

डॉ. (श्रीमती) कामिनी जैन
प्राचार्य एवं संरक्षक

डॉ. (श्रीमती) रश्मि श्रीवास्तव
गुणवत्ता प्रकोष्ठ प्रभारी

संपादक मण्डल
डॉ. संगीता अहिरवार, डॉ. अरुण सिकरवार

मुद्रण एवं ग्राफिक्स
जलज श्रीवास्तव, बलराम यादव, राजेश कुमार यादव एवं मनोज कुमार सिसोदिया

शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय, होशंगाबाद (म.प्र.)

प्राचार्य की कलम से.....

महाविद्यालय समाचार दर्शन के पच्चीसवें अंक के प्रकाशन पर अत्यंत हर्ष का अनुभव कर रही हूँ। माह अक्टूबर से दिसम्बर 2019 के मध्य छात्राओं के व्यक्तित्व निर्माण एवं नैतिक गुणवत्ता के उन्नयन हेतु महाविद्यालय में सतत् शैक्षणिक एवं शैक्षणोत्तर गतिविधियों का आयोजन किया जाता रहा है। महाविद्यालय में कार्यरत विभिन्न समितियों, प्रकोष्ठ एवं विभागों की महाविद्यालय में सचालित गतिविधियों में अहम भूमिका रही है।

महाविद्यालय का वातावरण एवं महाविद्यालयीन परिवार का सहयोग छात्राओं के भविष्य निर्माण में नीव का पत्थर सिद्ध होगा। मैं इस अंक के प्रकाशन के लिए महाविद्यालय परिवार को शुभकामनाएँ एवं बधाई देती हूँ।

डॉ. (श्रीमती) कामिनी जैन
प्राचार्य एवं संरक्षक

संपादकीय .....

महाविद्यालय 'समाचार दर्शन' का नवीन अंक आपके सामने प्रस्तुत है। 'समाचार दर्शन' के पूर्व में प्रकाशित अंकों में आपकी सराहना से हम हर्षित है। आपकी प्रेरणा से प्रेरित हो नवीन अंक को ओर अधिक बेहतर बनाने हेतु प्रेरित है महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा प्रथम टेस्ट एवं विश्वविद्यालयीन सेमेस्टर परीक्षाओं के माध्यम से अपनी योग्यता एवं गुणवत्ता का लोहा मनबाया है। शैक्षणिक एवं शैक्षणोत्तर उपलब्धियों के मान से यह समय अत्यंत महत्वपूर्ण एवं सराहनीय रहा है। जिन छात्राओं ने अपनी योग्यता को सिद्ध किया है। उन्हें शुभकामनाएँ।

जिला स्तरीय युवा उत्सव 2019

शासकीय गृहविज्ञान महाविद्यालय होशंगाबाद में आज दिनांक 03.10.2019 को जिला स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रीमती जयश्री तरडे, श्रीमती ज्योति मिश्रा, श्री सुमित दुबे, श्रीमती सुचित्रा यादव, युवा उत्सव प्रभारी डॉ. कंचन ठाकुर, युवा उत्सव जिला समन्वयक डॉ. शीला ठाकुर एवं महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन मंचासीन रही।

युवा उत्सव में छात्राओं ने दी प्रस्तुति

मॉ सरस्वती की प्रमिता पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के पश्चात् कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर डॉ. रूपाली जैन ने सरस्वती वंदना 'कीजै ध्यान सरस्वती को' वंदना की प्रस्तुति दी। तबले पर श्री रामसेबक शर्मा ने एवं हामोनियम पर श्री हेमंत चौहान ने संगत दी। संगीत विभाग की छात्राओं ने स्वागत गीत की प्रस्तुति दी।

जिला स्तरीय प्रतियोगिता में वादन परकुशन, वादन नानपरकुशन एकल नृत्य एवं समूह नृत्य का आयोजन किया गया। वादन परकुशन, में प्रथम शिवानी मर्सकोले, वादन नानपरकुशन में प्रथम रितिक मालवीय ,एवं द्वितीय गायत्री पथौरिया एकल नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम शासकीय गृहविज्ञान महाविद्यालय की कु. आस्था चौरे, एवं द्वितीय नर्मदा महाविद्यालय की संदेशना मित्रा रही। समूह नृत्य में प्रथम शासकीय गृहविज्ञान महाविद्यालय का श्रद्धा शर्मा समूह एवं द्वितीय शासकीय माखनलाल चतुर्वेदी महाविद्यालय बाबई का अनुराधा राजपूत समूह रहा।

विजेता समूह एवं विद्यार्थियों को उद्बोधित करते हुए महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने कहा कि युवा शक्ति अद्म्य साहस एवं उर्जा से परिपूर्ण होती है बस आवश्यकता है अपनी शक्ति को सही दिशा निर्देशन देने की। हमारी शुभकामनाएँ है आप अगले स्तर पर जिले को गौरवांवित करावे। युवा उत्सव प्रभारी डॉ. कंचन ठाकुर ने विजेता विद्यार्थियों को शुभकामना दी।

इस अवसर पर प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान किये गये। जिला स्तरीय युवा उत्सव प्रतियोगिता में जिले भर के महाविद्यालय के विद्यार्थियों नें सहभागिता की।

होमसाइंस कॉलेज में हुआ नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन

महात्मा गाँधी मानवता के प्रतिमूर्ति थे – डॉ. कामिनी जैन

शासकीय गृहविज्ञान महाविद्यालय होशंगाबाद में आज दिनांक 01.10.2019 को इतिहास विभाग की ओर से महात्मा गाँधी की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में गांधी जी के जीवन पर आधारित विदेशों एवं भारत द्वारा डॉक टिकट, पोस्टर एवं फोटो प्रदर्शनी और क्विज का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. कामिनी जैन द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. कामिनी जैन ने छात्राओं को संबोधित करने हुए कहा कि महात्मा गाँधी के जीवन मूल्य सभी को अपनाना चाहिए और आज के इस दौर में तो उनके मूल्यों की सबसे ज्यादा आवश्यकता है। महात्मा गाँधी जी ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम का नेतृत्व इन्हीं जीवन मूल्यों को सामने रख कर किया जिन्हें सत्य और अहिंसा कहा जाता है। इसी से महात्मा गाँधी ने सम्पूर्ण देश को एकता के सूत्र में बांध कर नई ऊर्जा का संचार किया। स्वदेशी के नारे को मजबूती से उठाया और विदेशी सभ्यता और माल का वहिष्कार किया जिसे देशवासियों द्वारा खूब समर्थन मिला। महात्मा गाँधी के सिद्धांतों के आधार पर ही आधुनिक भारत का निर्माण हुआ। विभागाध्यक्ष डॉ. आर. बी. शाह ने कहा कि महात्मा गाँधी नैतिक आदर्श के जीती जागती मिशाल थे। वे महिलाओं, दलितों और आदिवासियों के सच्चे हितेषी थे। उन्होंने ही महिलाओं को चार दीवारी बाहर निकाल कर स्वतत्रंता संग्राम में लगाया। डॉ. रामबाबू मेहर ने संचालन करते हुए गांधी जी की वैश्विक स्वीकार्यता पर बल दिया और कहा कि दक्षिण अफ्रिका का स्वतंत्रता संग्राम अमेरिका में मानव अधिकार की लडाई और पूर्वीतिमौर की स्वतंत्रता के लिए लड़े

गये अहिंसक आन्दोलन गांधी के कारण ही संभव हो सके। डॉ. चन्द्रशेखर राज ने क्विज प्रतियोगिता में संचालन किया।

महात्मा गाँधी जी की 150वीं जयंती

शासकीय गृहविज्ञान महाविद्यालय होशंगाबाद में आज दिनांक 02.10.2019 को गांधी जयंती के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम महाविद्यालय से गांधी पार्क तक महाविद्यालयीन स्टॉफ एवं छात्राओं के द्वारा डॉ. ज्योति जुनगरे के नैतृत्व में रैली निकाल कर शांति, अहिंसा एवं सद्भावना के नारे लगा कर संदेश दिया। सत्य एवं अहिंसा के पुजारी गांधी जी को श्रद्धासुमन अर्पित कर पॉलीथिन मुफ्त परिसर का संकल्प लिया गया। गांधी जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम में महिला उत्पीड़न प्रकोष्ठ की सदस्य सुश्री विजया कदम रही। अतिथि के स्वागत के पश्चात महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने अपने उद्बोधन में कहा कि गांधी जी की प्रासंगिक्ता हर युग में है क्योंकि हमारा व्यक्तित्व महापुरूषों की जीवन गाथा से प्रभावित होता है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी समाज के लिए ज्योति स्तम्भ है। वर्तमान तब फलीभूत होता है जब उसकी नीव मजबूत एवं आत्म निर्भर होती है। सुश्री विजया कदम ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमारा जिला ऐसा सौभाग्यशाली जिला है जहां बाबई, इटारसी नगरों में गांधी जी का पदार्पण हुआ है। हमें स्वावलम्बन की शिक्षा गांधी जी से मिलती है। कार्यक्रम संयोजक डॉ. अमिता जोशी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि गांधीजी की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में वर्ष भर विभिन्न कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताओं के माध्यम से गांधी दर्शन, विचार, सिद्धांत एवं उनके द्वारा चलाए गये आन्दोलनों को जानने का प्रयास किया गया।

गांधी जयंती के उपलक्ष्य में महाविद्यालय परिसर में वृक्षा रोपण किया गया। गांधीजी की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य पर कु. याशिका सैय्याम, एकता तिवारी, मुश्कान सेन, अंजलि मिश्रा एवं हर्षा पुरोहित ने ''सत्य के प्रयोग'' का वाचन किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. संतोष अहिरवार ने किया।

स्वामी विवेकानंद केरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ

स्वामी विवेकानंद केरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के तत्वाधान में प्रधानमंत्री कौशल विकास केन्द्र होशंगाबाद इंडस्ट्रीज ट्रेनिंग पर व्याख्यान एवं लघु फिल्म का प्रसारण किया गया।

छात्राओं को डिजिटल मार्केटिंग के गुर बताए

प्रधानमंत्री कौशल विकास केन्द्र सेन्टर मेनेजर श्री कपिल डोलस ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री कौशल विकास का उद्देश्य स्वरोजगार से जोडना है श्री कपिल डोलस, श्री राजकुमार चौकसे, श्री प्रमोद बच्छराज ने लघु फिल्म एवं व्याख्यान के माध्यम से छात्राओं को मार्गदर्शन दिया।

इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ.श्रीमती कामिनी जैन ने छात्राओं को उद्‌बोधित करते हुए कहा कि स्वरोजगार के माध्यम से हम घर बैठे अपना लघु उद्योग चला सकते है, इस श्रृंखला में हम नौकरी करने वाले नही, नौकरी देने वाले बने। स्वामी विवेकानंद केरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ की प्रभारी डॉ संगीता अहिरवार ने बताया कि हमारे महाविद्यालय की छात्राएँ प्रधानमंत्री कौशल विकास के माध्यम से अपना रोजगार स्थापित कर चुकी है।

अल्पावधि मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण कार्यक्रम

अल्पावधि मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण कार्यक्रम जारी है इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में विज्ञान, कला, वाणिज्य एवं गृहविज्ञान संकाय की छात्राएँ प्रशिक्षण प्राप्त कर रही है। मध्यप्रदेश विज्ञान सभा के सदस्यों द्वारा इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में छात्राओं को मधुमक्खी प्रशिक्षण कार्य में प्रशिक्षित किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण में श्री मोहम्मद आरीफ खॉन, श्री दुर्गा शंकर विश्वकर्मा, श्री सुनील ठाकुर, श्री संजीव यदुवंशी, श्री संतोष विश्वकर्मा विषय विशेषज्ञ श्री जयप्रकाश दायमा ने छात्राओं को मधुमक्खी परिवार की नर मधुमक्खी एवं रानी मधुमक्खी एवं श्रमिक मधुमक्खी को पहचानना सिखाया।

दैनिक जागरण
30/10/19

होम साइंस में छात्राओं को दिया मधुमक्खी पालन का प्रशिक्षण

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ.श्रीमती कामिनी जैन ने कहा कि वर्तमान में मधुमक्खी पालन कुटीर उद्योग का दर्जा ले चुका है। मधुमक्खी पालन ग्रामीण भूमिहीन वेरोजगार की आमदानी का अच्छा साधन बन सकता है। कृषि क्रियाएँ लघु व्यवसाय से बडे व्यवसाय में बदल रही है। मधुमक्खी पालन एक कम खर्चीला घरेलु उद्योग है। मधुमक्खी पालन अत्यंत लाभ का व्यवसाय है। जिससे प्राप्त उत्पाद शहद, मोम एवं मधुमक्खी विष तक का प्रयोग होम्योपेथिक, एलोपेथिक एवं प्राकृतिक उपचार पद्धतियों में प्रयोग किया जाता है। स्वामी विवेकानंद केरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ संगीता अरिवार ने बताया कि प्रशिक्षण प्राप्त कर रही छात्राओं को महाविद्यालय से मधुमक्खी पालन हेतु निःशुल्क प्रसार सामग्री वितरण की जावेगी।

युवा संकल्प वर्ष 2019–20

पूर्व प्रधानमंत्री श्री राजीव गॉधी जी की स्मृति में युवा संकल्प वर्ष 2019–20 के परिप्रेक्ष्य में शासकीय गृहविज्ञान महाविद्यालय होशंगाबाद में दिनांक 10.10.2019 को महाविद्यालय में जिला स्तरीय परिसंवाद प्रतियोगिता का

सफल आयोजन किया गया। इस परिसंवाद का विषय का विषय था 'लोकतंत्र के सुदृढ़ीकरण में पंचायतीराज की भूमिका ' उक्त प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न महाविद्यालय के प्रतिभागियों ने अपनी भागीदारी की और अपने विचार व्यक्त किए।

इस कार्यक्रम में श्री जय वर्मा श्री संदीपन नीखर , डॉ. भारती मिश्रा, डॉ. रागिनी दुबे, डॉ. भारती दुबे कार्यक्रम संयोजक डॉ. हर्षा चचाने एवं महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन मंचासीन रही। मॉ सरस्वती की पूजा एवं अतिथियों के स्वागत उपरांत प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर नर्मदा महाविद्यालय के देवांश वैरागी, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर शासकीय गृहविज्ञान

होम साइंस में जिला स्तरीय परिसंवाद प्रतियोगिता हुई

महाविद्यालय की कु. पलक जैन एवं हेमालिका शर्मा रही। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. श्रुति गोखले ने किया।

इस अवसर पर प्रतिभागियों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि पंचायती राज ग्रामीण विकास की आधारशिला है पंचायती राज का उद्देश्य प्रत्येक ग्राम में निवास कर रहे प्रत्येक नागरिको को विकास योजनाओं से लाभांवित कराना है। कार्यक्रम संयोजक डॉ. हर्षा चचाने ने कहा कि अगले स्तर पर प्रतियोगिता विश्वविद्यालय स्तर पर होगी अतः आपको शतत् प्रयत्नशील रहना है।प्रतियोगिता में सम्मलित होने वाले प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।

अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस

अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस पर गरिमापूर्ण कार्यक्रम संपन्न

दिनॉक 11.10.2019 को महिला एवं बाल विकास के तत्वाधान में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में माननीय कलेक्टर महोदय श्री शीलेन्द्र सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आदित्य सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री ललित कुमार डेहरिया सहायक संचालक महिला बाल

विकास श्री सतीश भार्गव एवं श्रीमती अर्चना पचौरी की गरिमामयी उपस्थिति रही। अतिथियों के स्वागत उपरांत कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

माननीय कलेक्टर महोदय ने छात्राओं को उद्‌बोधित करते हुए कहा कि जहॉ भेद भाव किया जाता है वह समाज विकास नही कर सकता उन्होने समय व्यवस्थापन का महत्ता बताते हुए कहा कि अपनी क्षमताओं को पहचाने, लक्ष्य तय करे एवं आत्म विस्वास के साथ सतत् कर्मशील रहे। मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आदित्य सिंह ने छात्राओं का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि माता एवं बहनों के सहयोग एवं मार्गदर्शन से हम उन्नति शिखर पर पहुॅच सकते है। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री ललित कुमार डेहरिया ने कहा कि बेटियों को अवसर मिले तो वह बेटो से कम नही होती।

होमसाइंस कॉलेज में हुआ खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन

खेल स्वास्थ्य व व्यक्तित्व विकास में जरूरी: एसपी

अध्यक्षीय भाषण में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने कहा कि महाविद्यालय परिवार बेटी पढ़ाओं और बेटी को आत्मनिर्भर बनाओ की थीम पर करता है। बेटी को बचाने का कार्य हमें गर्भाधारण काल से ही करना होगा। उन्होने छात्राओं को उद्‌बोधित करते हुए कहा कि सशक्तिकरण का अर्थ स्वतंत्रता नही अपितु व्यक्तित्व, आचरण एवं नैतिक मूल्यों की मजबूती

छात्राओं को दी व्यक्तित्व विकास की शिक्षा

है। कार्यक्रम का सफल संचालन महाविद्यालय की क्रीडा अधिकारी डॉ. ज्योति जुनगरे ने एवं आभार महिला एवं बाल विकास सहायक संचालक श्री सतीश भार्गव ने किया।

इस कार्यक्रम में मनीषा पानसे एवं समूह ने कराते के माध्यम से सेल्फ डिफेन्स को बताया। आरती प्रजापति ने गीत की, कु. मुस्कान सेन एवं आशिका तिवारी ने भाषण के माध्यम से बेटी बचाओ पर अपने विचार रखे कु. श्रेया राजपूत ने नृत्य एवं संध्या मेहरा समूह ने सूहगान की प्रस्तुति दी। विभिन्न योग प्रतियोगिता कराते,गायन,नृत्य भाषण एवं समूह गायन की प्रतिभागी छात्राओं को अतिथियों द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

व्यक्तित्व विकास प्रकोष्ठ

शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय होशंगाबाद में आज दिनॉक 23.10.2019 को व्यक्तित्व विकास प्रकोष्ठ के तत्वाधान में कार्यक्रम का आयोजन

किया गया। कार्यक्रम में प्रख्यात गॉधी वादी विचारक एवं चिंतक डॉ. के. एस. उप्पल, प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन जैविक कृषक रूपसिंह राजपूत व्यक्तित्व विकास प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. रामबाबू मेहर महाविद्यालय की मंचासीन रही।

इस अवसर पर डॉ. जैन ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान हिंसात्मक वातावरण में गाँधी जी के विचार ही सही रास्ता दिखा सकते है। हिंसा से प्राप्त की गई सफलता क्षणिक सुख देती है जबकि अहिंसा से प्राप्त सफलता स्थायी होती है उन्होने कहा कि आस्था और नैतिकता को सर्वप्रथम स्वयं में प्रयोग करके देखा जाता है। तत्पश्चात उसे जनता के बीच में उतारा जाता है। गाँधी जी के आदर्शो को जानने के लिए उनकी किताबे एवं कार्यों को पढ़ने के बाद विचारों में उतारा जाएँ उन्होने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि स्वच्छता, आत्मनिर्भरता और कौशल उन्नयन गॉधी जी के सिद्धांतों से ही प्रेरित है।

मुख्य वक्ता डॉ. के. एस. उप्पल नें अपने उद्‌बोधन में कहा कि गाँधी जी का स्वप्न था कि गॉव का पैसा गाँव के विकास हेतु व्यय होना चाहिए। ग्लोबलाईजेशन का उत्तर लोकेलाईजेशन में उपलब्ध है। उन्होने गॉधी जी की तुलना हिमालय से की और गाँधी की वसीयत उदहरण देते हुए कहा कि हमें गाँधी के मार्ग पर चलने की आवश्यकता है। गाँधी जी ग्राम स्वराज की संकल्पना को बडे स्तर पर जमीन पर उतारने की आवश्यकता है। फ्रीकमेन के डॉक्ट्रेन ऑफ शॉक में भय के वातावरण के उपर उन्होने अधिक प्रकाश डाला। ग्राम रोहना के उन्नत जैविक कृषक रूप सिंह राजपूत ने छात्राओं के जैविक कृषि से संबंधित प्रश्नों का समाधान करते हुए कहा कि हम जैविक कृषि के माध्यम से ग्राम स्वराज के स्वप्न को साकार करने का प्रयास कर रहे है।

प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. रामबाबू मेहर ने सफल संचालन करते हुए बताया कि अंग्रेजो ने भारत पर शासन करने के लिए सर्वप्रथम ग्रामीण अर्थतंत्र को तोडने का प्रयास किया। गाँधी दर्शन हमारे व्यक्तित्व को मजबूत आधार प्रदान करते है। गाँधी जी ने प्रेम व अहिंसा के तात्विक बीजों को रापकर भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन को एक नई दिशा दी।

कचरा प्रबंधन पर जागरूकता रैली

शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय होशंगाबाद में आज दिनांक 18.11.2019 को **राष्ट्रीय हरित कोर** के **स्वच्छता कार्य योजना** 2019–20 के अन्तर्गत कार्यक्रमों की श्रृंखला में महाविद्यालय के **ईको क्लब** के तत्वाधान में **कचरा प्रबंधन पर जागरूकता रैली** का आयोजन किया गया। रैली का प्रारम्भ महाविद्यालय के

विज्ञान भवन हुआ एवं शहर के मुख्य मार्ग एवं गॉधी चौक तक स्वच्छता का संदेश देते हुए पुनः महाविद्यालय परिसर में सम्पन्न हुआ। रैली में लगभग 200 छात्राओं ने भाग लिया। ईको क्लब के माध्यम से महाविद्यालय के विज्ञान भवन, मुख्य भवन एवं खेल परिसर में नीले एवं हरे रंग के डस्टबिन रखे जायेंगे। छात्राओं को सूखे व गीले कचरे के प्रबंधन के प्रति जागरूक कर, जनचेतना हेतु भी तैयार किया जा रहा है। ये छात्राएँ नुक्कड नाटक, रैली एवं सार्वजनिक स्थलों की साफ सफाई कर आम जन के मन मस्तिष्क तक स्वच्छता का संदेश पहुचाने का कार्य कर रहीं।

रैली का प्रारम्भ महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ कामिनी जैन एवं ईको क्लब के प्रभारी डॉ दीपक अहिरवार ने झंडी दिखा कर किया। रैली में **विज्ञान, वाणिज्य, कला एवं होमसाइन्स** सभी संकाय की छात्राएँ सम्मलित रहीं।

मिनी मैराथन प्रतियोगिता का आयोजन

राष्ट्रीय हरित कोर योजना 2019–20 के अन्तर्गत कार्यक्रमों की श्रंखला में महाविद्यालय के **ईको क्लब** के तत्वाधान में **मिनी मैराथन दौड** प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। ज्ञात हो कि शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय द्वारा पर्यावरण के क्षैत्र में निरन्तर व नवीनतम कार्य करने के कारण एवं आगे भी यह प्रक्रिया निरन्तर जारी रखने के लिए **पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन भोपाल**, द्वारा महाविद्यालय को **1लाख रूपये की राशि** प्रदान की गयी है।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ कामिनी जैन ने छात्राओं को बताया कि सन् 2019 के ग्रीष्म काल में हमारा शहर होशंगाबाद विश्व के सर्वाधिक गर्म शहरों मे शुमार हो चुका है। वहीं दिल्ली भी वर्तमान में भीषण वायु प्रदूषण से जूझ रहा है। हमें इन परिस्थितियों का सामना न करना पडे इस हेतु छात्राओं के माध्यम से जनजागरण हेतु महाविद्यालय के ईको क्लब एवं छात्राओं द्वारा पर्यावरण संरक्षण के क्षैत्र में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है।

इसी तारतम्य में आज मैराथन दौड का आयोजन किया गया। मैराथन का प्रारम्भ महाविद्यालय के पिछले द्वार सर्किट हाउस गेट की तरफ से किया गया। जो नेहरू पार्क से होते हुए महाविद्यालय के मुख्य द्वार पर सम्पन्न हुई। इस **प्रतियोगिता** में 105 छात्राओं ने सहभागिता की जिनमें **पूजा परते बी.एससी. तृतीय बर्ष प्रथम स्थान पर रहीं।** वहीं दुर्गा गौर बी.कॉम प्रथम वर्ष द्वितीय एवं बैष्णवी राजपूत बी.ए. प्रथम बर्ष तृतीय स्थान पर रहीं।

प्राध्यापक डॉ श्रीकांत दुबे एवं ईको क्लब के प्रभारी डॉ दीपक अहिरवार ने मैराथन को झंडी दिखाकर प्रारम्भ कराया ।

वाणिज्य विभाग द्वारा ''करारोपण''विषय पर कार्यशाला का आयोजन

शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय होशंगाबाद में आज दिनांक 20.11.19 को वाणिज्य विभाग द्वारा ''करारोपण'' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यवक्ता के रूप में डॉ. केशव मिश्रा, महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन, विभागाध्यक्ष डॉ. अमिता जोशी मंचासीन रही। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्जवलन एवं मॉ सरस्वती की वंदना से हुआ।

कार्यक्रम के शुभारंभ में डॉ. दशरथ मीना ने करों के विभिन्न प्रकारों एवं इसकी महत्ता पर प्रकाश डाला। मुख्यवक्ता डॉ. केशव मिश्रा ने अपने वक्तव्य में कहा कि विद्यार्थियों को अपने कम्फर्ट जोन से निकलकर मेहनत करना अतिआवश्यक है। तभी वह जीवन में सफल हो सकते है उन्होने कर के क्षेत्र में रोजगार के विभिन्न अवसरों के बारे में बताया। उन्होने बताया कि चाटर्ड अकांउटेन्ट लागत लेखाकार कर सलाहकार के रूप में छात्राएँ अपना केरियर बना सकती है।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने अपने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में कहा कि प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सभी व्यक्ति कर जमा करते है। कर भारतीय अर्थव्यवस्था का आधार है। सरकार को कुल राजस्व का 60 प्रतिशत कर से ही प्राप्त होता है। इस क्षेत्र में रोजगार के भी पर्याप्त अवसर है।

विभागाध्यक्ष डॉ. अमिता जोशी ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि वर्तमान प्रतियोगिता के युग में स्वयं को अपग्रेड रखना अति आवश्यक है। उक्त विषय पर विभाग के डॉ. अजय तिवारी, डॉ. विजया देवास्कर, ने भी करारोपण की भूमिका एवं उपयोगिता पर छात्राओं को मार्गदर्शन दिया इस कार्यक्रम में डॉ. सी.एस. राज. डॉ. यशवंत निंगवाल, डॉ. कैलाश डोंगरे, श्री अखिलेश यादव, डॉ कीर्ति दीक्षित एवं वाणिज्य विभाग की छात्राएँ उपस्थित रही। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. मनीषा तिवारी ने किया एवं आभार प्रदर्शन डॉ. दशरथ मीना ने किया।

मशरूम उत्पादन

मशरूम उत्पादन प्रारंभ किया गया। उल्लेखनीय है कि लगातार चार वर्षो से महाविद्यालय में मशरूम उत्पादन किया जा रहा है। प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने बताया कि महाविद्यालय में मशरूम उत्पादन इकाई की व्यवस्था मेपकास्ट परियोजना के अंतर्गत प्रारंभ की गई थी। तब से ही मशरूम प्रशिक्षण प्रतिवर्ष महाविद्यालय की छात्राओं एवं कर्मचारियों को दिया जाता है। शहर की महिलाएँ भी प्रशिक्षण प्राप्त कर चुकी है। इस वर्ष श्रीमती अंजना दुबे प्रशिक्षण प्राप्त कर रही है। इस प्रशिक्षण का उद्‌देश्य छात्राओं को आर्थिक रूप से आत्म निर्भर बनाना है।

होमसाइंस कॉलेज की छात्राएं सीख रही मशरूम की खेती

मशरूम उत्पादन एवं प्रशिक्षण श्री धीरज खातरकर, डॉ. रश्मि श्रीवास्तव, श्रीमती प्रीति ठाकुर, डॉ रीना मालवीय, के मार्गदर्शन में प्रारंभ हुआ। महाविद्यालय की छात्राएँ प्रोजेक्ट कार्य के रूप में भी प्रशिक्षण प्राप्त कर रही है। लगभग 150 बैग महाविद्यालय में मशरूम उत्पादन हेतु लगाएँ गए है। चूंकि होशंगाबाद जिला कृषि प्रधान है। यहाँ कृषि फसलों का उत्पादन बहुतायत से होता है। इन

कृषि फसलों के व्यर्थ अवशेष जैसे पुआल,भूसा का उपयोग पशुओं को खिलाने के लिए किया जाता है। लेकिन गेहूँ फसल के अवशिष्ट का कोई उपयोग नही है। किसान इसे खेतों में ही जला देते है। आयस्टर मशरूम की खेती एक बहुत ही अच्छा माध्यम है जिसमें कृषि अपशिष्टों का प्रयोग कर किसान अपने परिवार को पौष्टिक आहार दे सकते है एवं आमदनी को भी बढा सकतें है।मशरूम की खेती छोटी जगह एवं कम लागत में भी आसानी से की जा सकती है। इसके उत्पादन पर व्यय न्यूनतम एवं अधिकतम लाभ हो सकता है।

मशरूम अपने उच्च स्तरीय खाद्य मूल्यों के कारण सम्पूर्ण विश्व में अपना एक विशेष महत्व रखते है। कुछ लोग भ्रांतियॉ एवं अज्ञानतावश इसे अपने आहार में सम्मिलित नही कर पाते है और कुछ शाकाहारी इसे मॉस जैसी संरचना के कारण उपयोग नही करते है जबकि मशरूम अत्यंत स्वादिष्ट एवं पौष्टिक शुद्ध शाकाहार है इसका प्रयोग भोजन के रूप में, टानिक के रूप में एवं औषधी के रूप में भी किया जाता है इसमें बहुमूल्य प्रोटीन, खनिज लवण, तथा खाद्यान्न जैसे पोषक तत्व पाए जाते है। मशरूम से प्राप्त प्रोटीन की पाचन शक्ति 60–70 प्रतिशत तक होती है। मशरूम बेरी बेरी, हृदय रोग, हड्डियों को मजबूत बनाने, दॉत के रोगों से तथा सूखा चर्म रोग से बचाने के लिए और मधुमेह जैसी बीमारियों की रोकथाम में उपयोगी सिद्ध हुआ है।

दूसरे भूमीहीन व्यक्तियों को वर्ष पर्यंत आय प्राप्त हो सकती है इसे घरेलू, ग्रामीण महिलाओं द्वारा कुटीर उद्योग के रूप में भी अपनाया जा सकता है।

स्वामी विवेकानंद केरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के अंतर्गत कार्यशाला

स्वामी विवेकानंद केरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के अंतर्गत कार्यशाला का आयोजन किया गया कार्यक्रम में सुश्री शिवांगी वर्मा, विशाखा राना, कु जूही एवं डॉ. संगीता अहिरवार मंचासीन रही।

टीम इंडियन इंस्टीटयूट ने एयर होस्टेज एवं हास्पिटिलिटी मेनेजमेंट के बारे में छात्राओं का मार्गदर्शन किया एयर होस्टेज के क्षैत्र में विद्यार्थी अपने रोजगार का स्थापन कर सकते है इस कोर्स की आयु सीमा 18 से 26 वर्ष रखी गई है। 3 माह के कोर्स में आयु सीमा नही है एवं व्यक्तित्व विकास की शिक्षा प्रदान की जावेगी।

म्हाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने कहा कि यह हमारे शहर में केरियर के क्षैत्र में नवीन आयाम है आप अपनी रूचि के अनुसार संबंधित विषय में प्रशिक्षण प्राप्त रक सकते है इस मार्गदर्शन का उद्देश्य छात्राओं के चहुॅमुखी व्यक्तित्व का विकास कर आत्मनिर्भर बनाना है।

छात्राओं को डिजिटल मार्केटिंग के गुर बताए

स्वामी विवेकानंद केरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. संगीता अहिरवार ने छात्राओं का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि सतत प्रयास से ही सफलता प्राप्त की जा सकती है।

स्वामी विवेकानंद केरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के माध्यम से 20 दिन का गोबर गैस उत्पादन

गोबर गैस बनाने और गांव में ही रोजगार के अवसर तलाशने में सक्षम होंगी छात्राएं

स्वामी विवेकानंद केरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के माध्यम से 20 दिन का गोबर

गैस उत्पादन हेतु प्रशिक्षण प्रारंभ किया गया। स्वामी विवेकानंद प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. संगीता अहिरवार ने बताया कि यह प्रशिक्षण अल्पावधि रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत दिया जा रहा है। गोबर गैस उत्पादन हेतु महाविद्यालय में विशेषज्ञों श्री अशोक वर्मा, बाबई एवं श्री जयप्रकाश दायमा, रजौन द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने बताया कि उक्त प्रशिक्षण द्वारा छात्राओं को गोबर गैस की उपयोगिता का ज्ञान होगा। भारत में मवेशियों की संख्या विश्व में सर्वाधिक है इसलिए गोबर गैस के विकास की प्रचुर संभावनाएँ है। ग्रामीण क्षेत्रों में भोजन पकाने तथा ईंधन के रूप में, प्रकाश की व्यवस्था हेतु इसका उपयोग हो रहा है। उन्होने बताया कि गोबर गैस पर्यावरण के लिए अनुकूल है एवं ग्रामीण क्षेत्रों के लिए बहुत उपयोगी है। गोबर गैस उपलब्ध होने पर खाना पकाने में लगने वाली लकड़ी के उपयोग को कम कर सकते है जिसके फलस्वरूप पेडों को भी बचाया जा सकता है। गोबर गैस के उत्पादन के लिए कच्चे माल (गोबर) की आपूर्ति गॉव से ही पूरी हो जाती है। गोबर गैस के प्रयोग से धुंआ नही निकलता है। जिससे स्वास्थ्य संबंधी बीमारियों के रोकथाम में सहायता मिलती है।

यह संयंत्र गोबर गैस के साथ–साथ फसल उत्पादन के लिए अच्छा गुणवत्ता वाला खाद भी हमें देता है।

राज्य स्तरीय महिला खो खो प्रतियोगिता के लिए भोपाल संभाग की टीम रवाना

संभाग स्तरीय खो खो प्रतियोगिता का आयोजन प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन के मार्गदर्शन एवं डॉ. ज्योति जुनगरे के नेतृत्व में किया गया जिसमें विभिन्न महाविद्यालय की संभाग स्तर की खो खो खिलाडी छात्राओं का चयन किया गया। यह प्रतियोगिता शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय बुढार (शहडोल)में आयोजित है इस प्रतियोगिता में निम्नलिखित छात्राऍ एवं टीम मेनेजर डॉ. ज्योति जुनगरे के साथ में 27.11.2019 को रवाना होंगी।

वर्षा तेकाम,, दीक्षा चौरे, अक्षिता ठाकुर, उर्सेला इक्का, भोपाल, अंजली उईके, खुशबू सागरे, अनामिका रघुवंशी, होशंगाबाद, निशा चौधरी, इटारसी, कीर्ति यादव, सिवनी मालवा, अंकिता विश्वकर्मा, सीहोर, इस अवसर पर पूरी खो खो टीम को प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन, श्रीमती किरण विश्वकर्मा, सोनाली साहू, डॉ. रीना मालवीय, शिवानी चौबे, जलज श्रीवास्तव, बलराम यादव, राजेश यादव, मनोज सिसोदिया ने टीम को शुभकामनाऍ दी।

डिजिटल मार्केटिंग पर सेमीनार का आयोजन

शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय होशंगाबाद में दिनॉक 28.11.2019 को डिजिटल मार्केटिंग पर सेमीनार का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का आयोजन स्वामी विवेकानंद केरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के तत्वाधान में किया गया। कार्यक्रम में श्री मनीष कुमार मिश्रा, श्री उत्तम कुमार सिंह, श्री अमित उपाध्याय, श्री यश शर्मा, श्री उदित शर्मा, श्री भानूप्रताप, श्री दिव्यांश शुक्ला, श्री संजय व्यास, श्री शिवम राजपूत, स्वामी विवेकानंद केरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. संगीता अहिरवार एवं महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन मंचासीन रही।

होम साइंस कॉलेज में ई-वेस्ट प्रबंधन पर हुआ कार्यक्रम

कार्यक्रम का शुभारंभ मॉ सरस्वती की पूजन एवं अतिथियों के स्वागत उपरांत किया गया। डिजिटल हाईलाईन मार्केटिंग सर्विस ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट से पधारे श्री मनीष मिश्रा ने छात्राओं का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि डिजिटल मार्केटिंग में रोजगार के अवसर को तलासा जा सकता है हमें किसी भी व्यवसाय में मार्केटिंग की आवश्यकता है। डिजिटल ट्रेनिंग प्रोग्राम के पश्चात नौकरी मिलने की संभावना बढ़ जाती है। उत्तम कुमार सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान समय में 35 करोड़ लोग डिजिटल मार्केटिंग का उपयोग कर रहे है महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि आप इंटरनेट का भरपूर उपयोग करतें ही है तो इससे संबंधित रोजगार भी तलाशे एवुं इंटरनेट पर जो समय व्यय हो हो रहा है उससे आर्थिक लाभ प्राप्त करे। स्वामी विवेकानंद केरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ संगीता अहिरवार ने आभार प्रदर्शन करते हुए कहा कि डिजिटल मार्केटिंग रोजगार का बेहतर विकल्प है।

छात्राओं को डिजिटल मार्केटिंग के गुर बताए

रेड रिबन क्लब एवं रेडक्रास, एन.एस.एस. एवं एनसीसी द्वारा 'विश्व एड्स दिवस' का आयोजन

रेड रिबन क्लब एवं रेडक्रास, एन.एस.एस. एवं एनसीसी के संयुक्त तत्वाधान में 'विश्व एड्स दिवस' का आयोजन किया गया। रेड रिबन क्लब एवं रेडक्रास प्रभारी डॉ.कंचन ठाकुर ने बताया कि 'विश्व एड्स दिवस सप्ताह' के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों को आयोजन किया जाना है जिसमे आज जागरूकता रैली एवं रक्तदान पर नुक्कड नाटक का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि एड्स का रोग छूने से नही फैलता है इस रोग के बारे में अनेक भ्रांतियॉ समाज में फैली हुई है। जिनके चलते एड्स के रोगियों का समाज द्वारा बहिस्कार कर दिया जाता है। एड्स जैसे विषय पर खुली चर्चा होना आवश्यक है ताकि एड्स के रोगी समाज में अपना सामान्य जीवन जी पाएँ।

कॉलेज में मनाया गया एड्स दिवस

छात्राओं ने रैली में एड्स दिवस पर यह नारा – ''एड्स मुक्त हो राष्ट्र हमारा'' एड्स की रोकथाम में युवा सदस्यों का योगदान जैसे स्लोगन के माध्यम से जन समुदाय को जागरूक किया गया एवं एम.ए. समाजशास्त्र एवं समाज कार्य की छात्राओं नें नुक्कड नाटक के द्वारा रक्तदान महादान का संदेश देते हुए लोगो को रक्तदान करने के लिए प्रेरित किया। नुक्कड नाटक का निर्देशन डॉ. नीतू पवांर द्वारा किया गया जिसमें अफ्जा नूर, निशा कुरैशी, गुलफ्सा, मोहिनी, विजयश्री, अंजु, पूजा, सीमा, राधा धुर्वे, अनीता उईके, छात्राओं ने प्रस्तुति दी।

एनसीसी दिवस

एड्स जैसे विषय पर खुली चर्चा होना जरूरी

एनसीसी दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत एनसीसी गीत द्वारा की गई कैडेट्स द्वारा नृत्य कविता एवं भाषण की प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर 01 दिसम्बर 2019 को विश्व एड्स दिवस पर जागरूकता अभियान को लेकर एड्स दिवस की गतिविधियों को सम्पन्न कराया गया जिसमें छात्राओं एवं एनसीसी कैडेट्स द्वारा मानव श्रृंखला बनाई गई एवं हस्तक्षर अभियान चलाया गया एड्स जागरूकता पर पोस्टर प्रतियोगिता कराई गई जिसमें एनसीसी कैडेट्स रश्मि सरयाम ने तृतीय सथान प्राप्त किया। इसके साथ ही एनसीसी संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदर्शनी के माध्यम से दी गई एवं एनसीसी कैडेट्स को प्राचार्य द्वारा रेंक प्रदान की गई। एनसीसी डे पर

'एड्स जैसे विषय पर खुली चर्चा होना जरूरी'

महाविद्यालयीन एवं केम्प गतिविधियों में अपना उत्कृष्ठ प्रदर्शन देने वाले कैडेट्स को सम्मानित कर प्राचार्य द्वारा संबांधित किया गया कि महाविद्यालय में 2015 से एनसीसी संचालित हो रही है जिसमें कैडेट्स द्वारा अनेक गतिविधियॉ संचालित की जाती रही है परंतु महाविद्यालय में एनसीसी डे प्रथम वार आयोजन किया गया है जिसमें कैडेट्स की भागीदारी सराहनीय है एनसीसी प्रभारी डॉ. संगीता पारे द्वारा रैंक संबंधी जानकारी कैडेट्स को प्रदान की गई। SUO वंदना राजपूत द्वारा एनसीसी संबंधी निर्देश दिए। कपिला मिश्रा ने एनसीसी गीत प्रस्तुत किया और मोनिका बामने , राधिका मालवीय, और प्रियंका कनक द्वारा नृत्य प्रस्तुत किया गया। मंच संचालन सोनिया मालवीय एवं मुस्कान सेन ने किया।

रेड रिबन क्लब,रेड क्रास ,एनएसएस, एवं एनसीसी के संयुक्त तत्वाधान में 'विश्व एड्स दिवस'

रेड रिबन क्लब,रेड क्रास ,एनएसएस, एवं एनसीसी के संयुक्त तत्वाधान में 'विश्व एड्स दिवस' के अंतर्गत महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा मानव श्रृंखला बनाई गई। जिसमें छात्राओं ने रेड रिबन के प्रतीक

चिन्ह को बनाते हुए एड्स जागरूकता का संदेश दिया। प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि छात्राएँ विश्व एड्स दिवस के अवसर पर प्रतिज्ञा करे कि वह समाज में फैली भ्रांतियों को दूर कर लोगों को एड्स फैलने के सही कारण बताएँगी एवं छात्राएँ स्वयं भी जागरूक होगी। हस्ताक्षर अभियान के अंतर्गत सर्वप्रथम महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन द्वारा हस्ताक्षर किए गए एवं महाविद्यालयीन स्टाफ एवं छात्राओं ने भी हस्ताक्षर कर एड्स जागरूकता हस्ताक्षर अभियान में भाग लिया। लिफरा संस्थान एवं प्रियांशी संस्थान के द्वारा पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें महाविद्यालय की छात्राओं ने प्रथम टविंकल सिंह एमएसडब्ल्यू प्रथम सेमेस्टर, द्वितीय कु. साक्षी राजपूत बी.ए. प्रथम वर्ष एवं तृतीय स्थान पर कु. रोशनी सरयाम. बी. ए. तृतीय वर्ष को पुरूस्कार वितरण कर सराहनीय प्रयास के लिए ट्रॉफी दी गई। रेड रिबन क्लब एवं रेड क्रास की प्रभारी डॉ. कंचन ठाकुर एवं लेफरा संस्थान से आए अनूप विनोदिया ने एड्स की जानकारी देते हुए छात्राओं से परिचर्चा की एवं एड्स से संबंधित लघु फिल्म का प्रस्तुतीकरण किया गया।

अन्तर महाविद्यालय (संभाग स्तरीय) महिला एवं पुरूष कराते प्रतियोगिता का आयोजन

शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय होशंगाबाद में आज दिनॉक 07.12.2019 को अन्तर महाविद्यालय (संभाग स्तरीय) महिला एवं पुरूष कराते प्रतियोगिता का आयोजन किया गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विश्वकर्मा अवार्ड प्राप्त श्री जयदेव शर्मा जिला कराते संघ अध्यक्ष श्री महेश सैनी सुश्री डॉ. ज्योति जुनगरे एवं महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती

कामिनी जैन मंचासीन रही।

अतिथियों के स्वागत उपरांत स्वागत भाषण में डॉ. ज्योति जुनगरे ने कहा कि हमारे जिले में इस प्रकार की यह पहली प्रतियोगिता है यह निश्चित तौर पर विद्यार्थियों में नये उत्साह का सर्जन करेगी। मुख्य अतिथि विश्वकर्मा अवार्ड प्राप्त श्री जयदेव शर्मा ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि वर्तमान समय में कराते आत्मरक्षा एवं सुरक्षा का नया गुर है इसे सभी को सीखना चाहिए। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने कहा कि वर्तमान समय में समाज में जैसा वातावरण निर्मित होता जा रहा है इसमें अपनी सुरक्षा के प्रति स्वयं सजग होना अतिआवश्यक है कराते इसका एक बेंहतर माध्यम है आत्मरक्षा प्रत्येक स्त्री के लिए आवश्यक हो गई है इसके लिए स्वयं आगे आकर पहल करे महाविद्यालय में नि:शुल्क कराते प्रशिक्षण शिविर लगाए जाते है छात्राऍ इसका लाभ प्राप्त कर सकती है।

इस प्रतियोगिता में 21 महाविद्यालय के लगभग 75 विद्यार्थियों ने सहभागिता की। सहभागिता करने वाले प्रतियोगियों को मेडल प्रदान किए गए। कार्यक्रम में डॉ. वाय.एस. चाहर, श्रीमती ग्रेस विहारी, श्री ब्रजमोहन सिंह, श्री हर्षित विश्वकर्मा, श्री श्याम मिश्रा, पूजा कश्यप, श्री सुनील रघुवंशी, श्री यशवंत आंकरे, श्री दिलीप कुमार साहू, श्री रवि साहू, श्री दीपक कुमार कुशवाह, श्री आशीष सोलंकी, श्री वंश शिवहरे, श्री राजा खान, श्री अंकित वर्मा, श्री राकेश सक्सेना एवं विभिन्न महाविद्यालय के टीम मेनेजर ने अपना सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय होशंगाबाद में आज दिनॉक 16.12.2019 को प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन के निर्देशन में एवं एन.सी.सी. प्रभारी डॉ. संगीता पारे के मार्गदर्शन में महाविद्यालय की एन.सी.सी. यूनिट द्वारा स्पेशल परेड का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के शुभारंभ में प्राचार्य डॉ. कामिनी जैन द्वारा भारतीय सैनिको के साहस एवं बलिदान को नमन करते हुए कहा कि 1971 को इसी दिन हमारी सेना ने इतिहास रचा था जो हमेशा स्वर्ण अक्षरों में दर्ज रहेगा। एन.एस.एस. प्रभारी डॉ. हर्षा चचाने द्वारा शहीदो को श्रद्धांजली अर्पित करते हुए देश रक्षा हेतु केडेट्स को प्रेरित किया समाज शास्त्र के विभागाध्यक्ष डॉ. कंचन ठाकुर ने अपने

शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय होशंगाबाद

उद्‌गार व्यक्त करते हुए राष्ट्र प्रेम एवं देश भक्ति से ओत प्रोत गीत प्रस्तुत किया। एन.सी.सी. प्रभारी डॉ. संगीता पारे द्वारा विजय दिवस की महत्ता बताते हुए मंचासीन अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

महाविद्यालय के सांस्कृतिक सभागार में विजय दिवस पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें क्रमशः प्रथम रश्मि सरयाम, द्वितीय,रक्षा चौरे, तृतीय दीक्षा चौरे रही। सेना के महत्व एवं भारतीय सेना की उपलब्धि विषय पर वंदना राजपूत, मुस्कान सेन, द्वारा भाषण प्रस्तुत किया गया। राष्ट्रप्रेम से संबंधित प्रियंका खनक, मंतासा खान और प्रियंका कुशवाह द्वारा गीत प्रस्तुत किये गये । प्रियंका खनक द्वारा देश भक्ति नृत्य प्रस्तुत किया। साथ ही सभागार में उपस्थित जनों द्वारा राष्ट्रगान एवं एन.सी.

सी. गीत प्रस्तुत किया गया। मंचसंचान सोनिया मालवीय द्वारा मंचसंचालन किया गया।

मानव अधिकार व्यक्ति की स्वतंत्र चेतना के संवाहक होते है : डॉ. कामिनी जैन

शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय होशंगाबाद में आज दिनॉक 20.12.2019 को व्यक्तित्व विकास प्रकोष्ठ के तत्वाधान में 'मानव अधिकार और सामाजिक न्याय' पर व्याख्यान आयोजित किया गया इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन , डॉ. श्रीकांत दुबे एवं डॉ. रामबाबू मेहर मंचासीन रहे। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि मानव अधिकार प्रत्येक व्यक्ति के वे अधिकार है जो उसे मूलभूत अवस्था में प्राप्त होते है। भारतीय संविधान के अनुसार व्यक्ति को बहुत से अधिकार प्राप्त है 10 दिसम्बर 1948 को जब संयुक्त राष्ट्र संघ ने इसकी घोषणा की थी और सभी प्रजातांत्रिक देशों में जन भावना को देखते हुए इन्हे अपनाया गया इसी भावना के अनुरूप भारत में भी मानव अधिकारों को स्वीकार किया गया। उन्होने छात्राओं से मुखातिव होते हुए अपील की कि छात्राऍ मानव अधिकारों को उसी सीमा तक प्रयोग करे जब तक कि वे किसी दूसरे के अधिकारो का अतिक्रमण न कर रही हो। अन्यथा ऐसी स्थिति ममें अराजकता उत्पन्न होती है। ऐसी ही अपील उन्होने उपस्थित प्राध्यापकों से भी की।

कार्यक्रम के मुख्य व्याख्यानकर्ता डॉ. श्रीकांत दुबे ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि मानव अधिकार संयुक्त राष्ट्रसंघ की जनतांत्रिक भावना का परिणाम है यह उस समय प्रारंभ हुए जब विश्व के अनेक देशों में तानाशाही और राजतंत्रात्मक प्रणालियॉ अस्तित्व में थी तब उसने प्रजातंत्र की वहाली के लिए मानव अधिकारों को अपनाने की अपील की क्योकि तानाशाही जब अस्तित्व में होती है तब सबसे पहले वह व्यक्ति के मूल अधिकारों का हनन करती है। इस श्रेणी में स्वतंत्रता, समानता, जीने का अधिकार और मताधिकार, भोजन का अधिकार, शिक्षा का अधिकार आते है। मताधिकर के विषय में प्रकाश डालते हुए उन्होने इसकी विस्तृत व्याख्या की और उन्होने कहा कि मताधिकार अब कर्तव्य की श्रेणी में आ गया है जिससे प्रत्येक व्यक्ति की

भागीदारी समाज और देश की उन्नति में सुनिश्चत की जा सके। यह अधिकार उस मायने में बेमानी हो जाते है जब हम देश के प्रति अपने कर्तव्यों को पालन नही करते इस लिए अधिकारों के साथ कर्तव्यों का पालन आवश्यक है। प्रसिद्ध दार्शनिक रूसो का उदाहरण देते हुए उन्होने बताया कि व्यक्ति के प्राकृतिक और राज्यीय अधिकार होते है। व्यक्तित्व विकास प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. रामबाबू मेहर ने इस अवसर पर भारत में मानव अधिकार और उनकी वर्तमान व्यवस्था को व्याख्यायित किया उन्होने कहा कि जैसे जैसे लोकतंत्र मजबूत होता जायेगा मानव अधिकारो और उससे संबंधित व्यवस्था के विषय में अधिक विमर्श होंगे। उन्होने प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन, डॉ. श्रीकांत दुबे और छात्राओं का आभार व्यक्त किया।

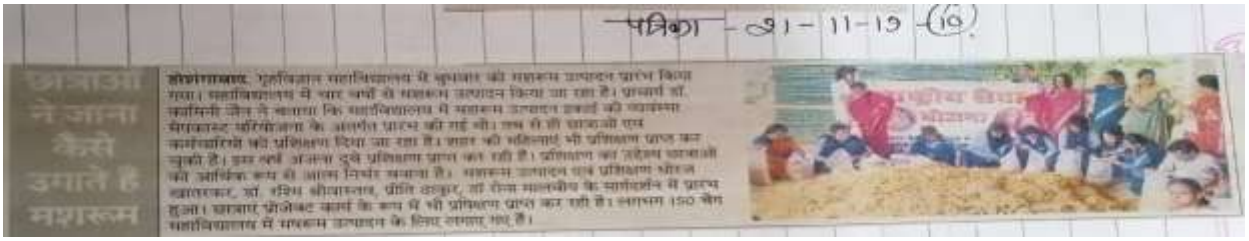

दैनिक भास्कर - 22-11-19 (10)

गर्ल्स कॉलेज में 107 छात्राओं को स्वरोजगार से जोड़ने दिया जाएगा प्रशिक्षण

गोबर गैस बनाने और गांव में ही रोजगार के अवसर तलाशने में सक्षम होंगी छात्राएं

पत्रिका - (10)
14/11/19

बालिका खो-खो में भोपाल 5-3 से बना विजेता, होशंगाबाद रहा उप विजेता

होमसाइंस कॉलेज में योग पर संगोष्ठि का समापन

शुद्ध विचार प्राणायाम की प्रक्रिया का सर्वोत्तम परिणामः आलोक मिश्रा

दैनिक जागरण
1/10/19
(4)

युवा उत्सव में कु. श्रद्धा साई के शास्त्रीय गायन की प्रस्तुति

पत्रिका - 21-11-19 (10)

छात्राओं ने जाना कैसे उगाते हैं मशरूम